खबर संक्षेप

कुएं में गिरने से बालक की मौत

शहडोल। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र के खोलका गांव में घर के सामने खेलते-खेलते एक दो वर्षीय बालक कुएं में गिर गया जिसकी मौत हो गई है। थाना प्रभारी विनय सिंह ने बताया कि शुक्रवार को खोलका गांव का रहने वाला अभय राज उम्र दो वर्ष घर के सामने खेल रहा था। खेलते-खेलते घर के सामने बने कुएं में गिर गया और उसकी मौत हो गई है। कुएं में गिरते वक्त आवाज से परिजनों को इसकी जानकारी लगी, परिजन दौड़े और मासूम को कुएं से निकला लेकिन तब तक उसने दम तोड़ दिया था। मामले की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी, सूचना के बाद मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले पर मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस का कहना कि घर के सामने कुआ था जिसमें अभय राज सिंह पिता समरजीत सिंह उम्र 2 साल की कुएं में डूबने से मौत हुई है। शव को पीएम के लिए अस्पताल लाया गया है जांच की जा रही है।

बांधवगढ़ के जंगल की आग पर 38 वॉच टावर से रखी जाएगी नजर

उमरिया। बांधवगढ टाइगर रिजर्व में गर्मी के दौरान आग पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में अग्नि सुरक्षा के लिए 04 पानी टेंकर, 40 वाहन, 40 लीफ ब्लोवर का उपयोग किया जा रहा है तथा 38 वॉच टावर एवं 33 वायरलेस स्टेशन से संपूर्ण बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। 450 जल स्रोतों की प्रतिदिन सफाई एवं निगरानी की जा रही है, कुल 1100 कर्मचारी, स्थाईकर्मी एवं सुरक्षा श्रमिक अग्नि सुरक्षा हेतु तैनात किए गए हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में उपलब्ध 450 जल स्रोतों की प्रतिदिन सफाई एवं निगरानी की जा रही है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया में मौजूद 11 के.व्ही. की कुल 165 कि.मी. विद्युत लाइन से संभावित शिकार की रोकने हेतु 33 विशेष दल बनाए गए हैं। प्रत्येक दल को औसतन 5 कि.मी. की जिम्मेदारी दी गई है। दल द्वारा उन्हे आवंटित विद्युत लाइन की 24 घंटे निगरानी की जा रही है।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चचाई के छात्रों ने किया शानदार प्रदर्शन

चचाई। विद्युत नगरी चचाई के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बोर्ड परीक्षाओं में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया कक्षा 12वीं में परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा प्रथम स्थान पर हर्षिता चौरसिया पिता हरीश प्रसाद चौरसिया ने गणित संकाय में 81.2 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर मीनाक्षी चौरसिया पिता ब्रिज किशोर चौरसिया ने जीव विज्ञान संकाय में 67.4 प्रतिशत तृतीय स्थान पर साक्षी द्विवेदी पिता शिवकुमार द्विवेदी ने 65.4 प्रतिशत अंक अर्जित किया। वहीं कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा में प्रथम स्थान पर समीक्षा वर्मा पिता संजय वर्मा ने 84.2 प्रतिशत दूसरे स्थान पर अमन कुमार पटेल पिताजी जितेंद्र कुमार पटेल ने 83.4 प्रतिशत, वही तृतीय स्थान पर शौर्य गौतम पिता भास्कर गौतम ने 81 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। इसी तरह आठवीं बोर्ड परीक्षा में अंशिका तिवारी पिता रजनीश तिवारी ने 85.3 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रही द्वितीय स्थान पर आलिया परवीन पिता रियाजुद्दीन ने 81.5 प्रतिशत, वहीं तीसरे स्थान पर इच्छा गुप्ता पिता विजय कुमार गुप्ता ने 80.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपने विद्यालय नगर का नाम रोशन किया।

समर स्पेशल ट्रेन सुविधा में विस्तार

शहडोल। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने 08795/08796 दुर्ग-छपरा-दुर्ग साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार किया है। इसका विस्तार गोंदिया स्टेशन तक 3 फेरों के लिए किया जा रहा है । यह गाड़ी गोंदिया से प्रत्येक सोमवार दिनांक 6, 13 एवं 20 मई को 08795 नम्बर के साथ छपरा के लिए रवाना होगी। इसी प्रकार छपरा से प्रत्येक मंगलवार दिनांक 7, 14 एवं 21 मई को 08796 नम्बर के साथ गोंदिया के लिए रवाना होगी।

प्राचार्य बनकर भी स्कूल से लापता रहे मारपाची, अयोग्य अधिकारी का दंश झेल रहा विभाग

28 फीसदी रहा डीइओ की स्कूल का परिणाम, डुबो दिया स्कूल

शहडोल। बोर्ड कक्षाओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व उच्चतम परीक्षाफल के लिए शासन ने गाइडलाइन व संसाधन तो दिए ही हैं साथ ही मेधावी बच्चों के प्रोत्साहन के लिए खर्चीली योजनाएं भी संचालित की हैं साथ ही संतुलन कायम रखने के लिए उस शिक्षकीय स्टाफ को दण्डित करने का प्रावधान भी किया है जिनके स्कूलों का रिजल्ट निराशाजनक होता है। शासन ने इसके लिए न्यूनतम 33 फीसदी की सीमा तय की है। शासन की तरफ से इतना सब होने के बावजूद मैदानी स्तर पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। हैरानी तो तब होती है जब यहां 33 फीसदी से भी कम रिजल्ट देने वाली कई स्कूलों की जानकारी मिलती है। इससे अधिक हैरानी की बात और क्या होगी कि जिला शिक्षा अधिकारी व प्राचार्य फूलसिंह मारपाची के बुड़वा हायर सेकण्डरी स्कूल का रिजल्ट स्वयं ही 28. 83 फीसदी है। शासन के प्रावधानों का जिला शिक्षा अधिकारी पर ही कितना असर हो रहा है यह इसी उदाहरण से स्पष्ट है। देखना यह है कि इस निराशाजनक परिणाम का कौन सा दण्ड जिला शिक्षा अधिकारी झेलते हैं? जब वे स्वयं इतने अनुशासनहीन और गैरजिम्मेदार हैं तो फिर वे दूसरों को दोषी कैसे ठहरा सकते हैं?

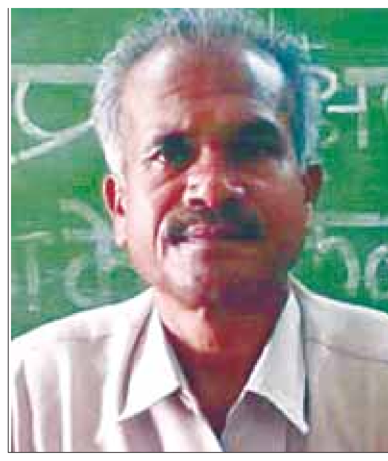

बुड़वा स्कूल में बच्चों की स्थिति

माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12 वीं बोर्ड परीक्षा में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुड़वा से 163 बच्चे परीक्षा में सम्मिलित हुए थे। जिसमें 31 प्रथम, 16 द्वितीय आये। यही कुल 47 बच्चे उत्तीर्ण हो सके। इस स्कूल से कोई बच्चा तृतीय श्रेणी में नहीं है। विज्ञान समूह के 53 बच्चों में 36 छात्र उत्तीर्ण हुए। इस हिसाब से विज्ञान समूह में 67 प्रतिशत बच्चे पास हुए। वहीं दूसरी ओर कला समूह में 110 बच्चों ने परीक्षा दी, जिसमें केवल 11 बच्चे ही उत्तीर्ण हो सके। कुल 10 प्रतिशत बच्चे ही कला समूह से उत्तीर्ण हो सके। शासकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय बुड़वा (हाई स्कूल का परीक्षा) का परीक्षा परिणाम भी अत्यंत निराशा जनक रहा। 131 छात्रों ने परीक्षा दिया जिनमे केवल 22 छात्र ही उत्तीर्ण हो सके। इस हिसाब से विद्यालय का परीक्षा परिणाम 17 प्रतिशत रहा। 22 छात्रों में 14 प्रथम, 7 द्वितीय, 1 तृतीय रहा।

झांकने नहीं गए स्कूल

श्री मारपाची की कैफियत यह है कि वे पूर्व में ब्यौहारी मऊ हायरसेकण्डरी स्कूल में प्राचार्य थे। उसी दौरान जिले में वरिष्ठ और पात्र प्राचार्यों के मौजूद होने के बावजूद उन्हे यहां जिला शिक्षा अधिकारी के रिक्त पद का प्रभार दे दिया गया। इसके कुछ समय बाद उनका शासन से बुड़वा हायर सेकण्डरी बालक स्कूल प्राचार्य के लिए स्थानांतरण कर दिया गया। लेकिन श्री मारपाची अब वहां के प्राचार्य तो हैं और वेतन भी वहीं से ले रहे हैं। स्थानांतरण के बाद लेकिन सच यह है कि उन्होने आज तक स्कूल में अपनी आमद नहीं दी है। वे कभी स्कूल झांकने के लिए भी नहीं गए। स्कूल का सारा संचालन शहडोल से ही करते हैं। प्राचार्य बिना स्कूल का शैक्षणिक वातावरण छिन्न भिन्न हो चुका है। स्कूल में शिक्षक न तो समय से आते हैं और न नियमित कक्षाएं लेते हैं।

खुद इतने काबिल हैं मारपाची

सबसे बड़ी बात यह है कि फूल सिंह मारपाची आज शिक्षा अधिकारी भले ही बन गए पर उनकी शिक्षा में कभी रुचि नही रही। उन्होने सन् 1978 में मिडिल स्कूल की परीक्षा पास की, 1981 में हॉयर सेकेण्ड्री एमपी बोर्ड से कला संकाय से उत्तीर्ण किया। कला संकाय से ही इन्होने 1984 में स्नातक की डिग्री ली। सन् 1986 में सर ने जियोलॉजी से पोस्टग्रेजुएट की डिग्री हासिल की। इतनी दूर तक साहब की शिक्षा चली, लेकिन उन्हे कभी प्रथम श्रेणी नसीब नहीं हुई। शिक्षा के क्षेत्र में वे कितने मेधावी हैं यह इसी से ज्ञात होता है।

वर्ष भर की गतिविधि की जांच हो

बुड़वा स्कूल की हालत भले ही खस्ता हो और उसके लिए शासकीय दण्ड के प्रावधान का पालन करते हुए इंक्रीमेंट रोका जाए लेकिन इससे भी बड़ी और मूल गड़बड़ी यह है कि श्री मारपाची ने प्राचार्य की हैसियत से कभी विद्यालय का अनुशीलन नहीं किया। उन्होने न तो कभी स्कूल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और न स्वयं स्कूल की हालत का मुआयना किया। उनके अभाव में स्कूल की हालत बिना कप्तान के फौज जैसी हो गई जो अंत में परीक्षा के समय डूब गई। मारपाची के पूरे वर्ष भर की गतिविधि की जानकारी ली जाए और उस अनुरूप उन्हे दण्डित किया जाए। अन्यथा आने वाले समय में भी स्कूल का यही नतीजा सामने आ सकता है।

छत्तीसगढ़ सीएम हाउस के पास गोली चलने से उमरिया निवासी प्रधान आरक्षक की मौत

उमरिया। शुक्रवार को रायपुर छत्तीसगढ़ में सीएम हाउस के समीप सिविल लाइन में पूर्व विधायक देवती कर्मा के बंगले में गोली चलने से उमरिया, मध्यप्रदेश के निवासी प्रधान आरक्षक अजय कुमार सिंह की मौत हो गई है। मृतक प्रधान आरक्षक अजय सिंह उमरिया जिले के चंदिया थाना क्षेत्र के ग्राम जोगिया के रहने वाले थे। वे अपने पीछे पत्नी वंदना सिंह समेत अन्य लोगों को बिलखता छोड़ गए। वहीं, वीआईपी सुरक्षा कंपनी का एपीसी घायल हो गया है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस अफसरों ने इसे एक्सीडेंटल फायरिंग बताया है।

सुरक्षा में लगे जवान बैरक में कर रहे थे पिस्टल की सफाई, तभी चली गोली

छत्तीसगढ़ में हुई इस घटना की जानकारी उमरिया जिले के चंदिया थाना अंतर्गत ग्राम जोगिया पहुंच चुकी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद अजय सिंह के घर में मातम छा गया है। बताया जा रहा है कि अजय सिंह का शव उमरिया लाया जाएगा और उनका अंतिम संस्कार उमरिया में ही होगा। इस बारे में जानकारी देते हुए अजय सिंह के भाई के विजय सिंह के पुत्र सुशील सिंह ने बताया कि उनके चाचा अजय सिंह का शव रायपुर से शाम चार बजे रवाना हुआ है। देर रात उसके पहुंचने की संभावना है। विजय सिंह ने बताया कि उनके भाई के कोई संतान नहीं है।

पिस्टल की सफाई के दौरान चली गोली

एडिशनल एसपी सिटी लखन पटले ने बताया कि वीआईपी सुरक्षा वाहिनी माना के प्रधान आरक्षक अजय कुमार सिंह (50) और असिस्टेंट प्लाटून कमांडर (एपीसी) राम कुमार दोहरे (58) सीएम हाउस के नजदीक सिविल लाइन स्थित पूर्व विधायक देवती कर्मा के बंगले में उनके पुत्र डिप्टी कलेक्टर आशीष कर्मा की निजी सुरक्षा में ड्यूटी में तैनात थे। शुक्रवार सुबह सात से आठ बजे के बीच पुलिस बैरक में दोनों अपने पिस्टल की नियमित सफाई कर रहे थे। इस दौरान अचानक पिस्टल से गोली चल गई और असिस्टेंट प्लाटून कमांडर राम कुमार दोहरे के हथेली को पार कर प्रधान आरक्षक अजय सिंह के दाहिने सीने को चीरते हुए निकली। इससे प्रधान आरक्षक अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में उन्हें आंबेडकर अस्पताल पहुंचाया गया,जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

नोटिस के दो माह बाद भी नहीं हटा अतिक्रमण

सब्जीमण्डी में अव्यवस्थाओं का आलम, लगता है जाम

शहडोल। सब्जी मण्डी का अतिक्रमण हटाने नगरपालिका ने भले ही दो महीने पहले नोटिस जारी किया हो लेकिन उसका पालन आज तक नहीं हुआ है। नगरपालिका शायद इस नोटिस को लेकर स्वयं भी गंभीर नहीं है। सब्जी मण्डी में आवाजाही की स्थिति में सुधार लाने वर्षों बाद अचानक नगरपालिका ने अतिक्रमण हटाने का निर्णय लिया था। दुकानदारों को आगाह करते हुए अतिक्रमण हटाने एक नोटिस जारी कर दी थी। ज्ञातव्य है कि मण्डी में एक अर्से से अतिक्रमण जारी है। यहां चबूतरे और पक्के आवास खड़े कर लिए गए हैं। ज्ञातव्य है कि गत वर्ष तत्कालीन कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने मण्डी का औचक निरीक्षण कर मौके पर ही अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया था। लेकिन उनका निर्देश आज तक क्रियान्वित नहीं किया गया। माना जाता है कि सब्जी मण्डी में अव्यवस्था फैलाने में नपा कर्मियों का भी हाथ रहा है, वे अपने चहेतों को प्रश्रय देने के लिए उन्हे छूट देते रहे हैं।

ऐसा था नोटिस का प्रारूप

22 फरवरी को नपा ने अतिक्रमण को लेकर नोटिस जारी की थी। नोटिस में लेख किया गया था कि सब्जी मण्डी के समस्त दुकानदारों, फलसब्जी व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि सब्जी मण्डी क्षेत्र में दुकानों के बाहर किये गये समस्त स्थाई-अस्थाई अतिक्रमण (टीन शेड, दीवार, चबूतरा, सीढ़ी आदि) को तत्काल हटा लें। साथ ही सार्वजनिक मार्ग पर सफेद पट्टी के बाहर कोई भी दुकान न लगायी जाये। यदि भविष्य में सार्वजनिक मार्ग पर कोई दुकान/ठेला लगा पाया जाता है अथवा किसी दुकान के बाहर कोई टीन शेड या अन्य कोई स्थायी अस्थायी अतिक्रमण पाया जाता है तो, बिना किसी पूर्व सूचना उक्त समस्त अतिक्रमण नगर पालिका परिषद द्वारा स्वयं के संसाधनों से हटा दिया जावेगा तथा सामग्री जब्त कर ली जावेगी। उक्त समस्त व्यय की राशि संबंधित से वसूली जावेगी।

नोटिस का नहीं चल रहा पता

नोटिस जारी होने के बाद दो माह का समय बीत गया पर नोटिस का पता नहीं चल रहा है। नगरपालिका ने अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं की गई। नगर पालिका ने अपनी ओर से हालांकि कड़ी नोटिस जारी करने का प्रयास किया लेकिन इसके बाद भी उस नोटिस का कोई असर होता दिखाई नहीं पड़ रहा है। मण्डी के अंदर कोई हलचल नहीं है। नोटिस जारी हुए तीन दिन बीत गए लेकिन सारे अतिक्रमण यथावत हैं। नोटिस के बावजूद व्यापारियो द्वारा स्थाई-अस्थाई अतिक्रमण नहीं स्वयं से नहीं हटाया जा रहा है। जानकारों के अनुसार नगर पालिका नोटिस का दिखावा कर अपनी ओर से कोरमपूर्ति कर रही है। जिससे वरिष्ठ अधिकारियों की पूछताछ पर उन्हे भ्रमित करने के लिए कहा जा सके कि नोटिस जारी की गई है, कार्रवाई होती रहती है।

नहीं टूट रहे पक्के निर्माण

सब्जी मण्डी के अंदर सड़कों के किनारे बैठे फुटपाथिए व्यापारियों को हटाना उतनी बड़ी समस्या नहीं है जितनी बड़ी समस्या पक्के निर्माण तोड़ना है। नगरपालिका की नाक के नीचे उसी की जमीन पर किराए से रहने वालों ने आज पक्का मकान या दूकान तान लिया है क्या इस बात की जानकारी नगरपालिका को नहीं हुई? जबकि महीनों निर्माण कार्य चलते हैं। यही नहीं सब्जीमण्डी की व्यवस्था देखने के लिए कर्मचारी भी नियुक्त है। सबसे पहले तो इस कर्मचारी और संबंधित पार्षद से पूछताछ होनी चाहिए कि आखिर उन्होने यह अतिक्रमण क्यों करवाया, सूचना क्यों नहीं दी।

कब चलेगा सशक्त अभियान

नगरपालिका ने कई वर्षों पूर्व जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के सहयोग से सब्जी मण्डी में अतिक्रमण हटाने का अभियान चालू किया था। एसडीएम सोहागपुर की मौजूदगी में स्थाई-अस्थाई अतिक्रमण (टीन शेड, दीवार, चबूतरा, सीढ़ी आदि) को हटाकर मलबा ट्रैक्टरों में भरकर ले जाया गया था। इस बड़े अभियान के बाद कुछ दिनों तक स्थिति सुधार दिखाई पड़ता रहा लेकिन अभियान में ठहराव आते ही नगरपालिका ने निरीक्षण बंद कर दिया और धीरे धीरे स्थिति फिर ज्यों की त्यों हो गई। उसके बाद से अभी तक ऐसा कोई अभियान चला ही नहीं था। अब देखना है नोटिस देने के बाद नगरपालिका कौन सा कदम उठाती है।

शादी विवाह के आयोजन से खेल मैदान में गंदगी का ढेर

आखिर जिम्मेदार इस मामले में क्यों बने रहते हैं उदासीन

धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया का सुभाष स्टेडियम का निर्माण प्रबंधन ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए या फिर बड़े आयोजनों के लिए कराया है, लेकिन इस खेल मैदान में शादी विवाह के समय गंदगी के भर जाता है, आखिर सवाल यह उठता है कि खेल मैदान में शादी विवाह के आयोजन को लेकर अनुमति कौन देता है और अगर अनुमति नहीं दी जाती है तो फिर इन आयोजनों पर जिम्मेदार रोक क्यों नहीं लगाते हैं, कुछ समय पहले की बात है जब नगर पालिका धनपुरी के द्वारा फुटबॉल प्रतियोगिता को लेकर सुभाष स्टेडियम में आयोजन कर रही थी, तब प्रबंधन के द्वारा अनुमति न लिए जाने के कारण आयोजन को रोक दिया गया था, तब ऐसा लगा था कि प्रबंधन खेल मैदान को लेकर गंभीर नजर आ रहा है, लेकिन अब सवाल यह उठता है कि जब शादी विवाह के आयोजन इन खेल मैदान पर होते हैं तब प्रबंधन की गंभीरता इस पर देखने को क्यों नहीं मिलती, पूरे मैदान पर जगह-जगह टेंट के पाइप लगा दिए जाते हैं, मैदान की तस्वीर ही पूरी बदल जाती है, हर तरफ गंदगी के ढेर नजर आते हैं और जब सुबह इस मैदान पर खिलाड़ी खेलने के लिए पहुंचते हैं तो उन्हें यहां की जो तस्वीर नजर आती है उसे देखकर वापस लौट जाना पड़ता है।

सुभाष स्टेडियम की सुंदरता और सुविधाओं को लेकर प्रबंधन की ओर से करोड़ों रुपए खर्च किया गया, चारों तरफ बाउंड्री वॉल का निर्माण किया गया और एक बड़े से मुख्य गेट को भी यहां पर लगाया गया ताकि खेल मैदान को बेहतर बनाया जा सके, लेकिन जब शादी विवाह के आयोजन यहां पर होते हैं तो इस पर सवाल भी बहुत उठते हैं, वैसे तो यह खेल का मैदान बहुत बड़ा है और अगर कोयलांचल क्षेत्र में देखा जाए तो शादी विवाह के आयोजन को लेकर स्थान की कमी जरूर कम नजर आती है, लेकिन अगर सुभाष स्टेडियम को देखा जाए तो मैदान के बीचो-बीच शादी विवाह के टेंट न लगाकर मैदान के किनारे के हिस्से जो कि खाली रहते हैं, वहां पर ही अगर आयोजन हो तो खिलाड़ियों को इतना परेशान ना होना पड़े जो कि शादी विवाह के आयोजन के बाद यहां पर देखने को मिलता है।गर्मी की छुट्टियां शुरू हो चुकी है और सुबह होते ही बड़ी संख्या में खिलाड़ी इस मैदान पर पहुंचते हैं लेकिन मैदान का जो हाल नजर आता है, कहीं ना कहीं खिलाड़ी भी मायूस होते हैं, वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदारों की उदासीनता पर सवाल भी उठते है। इस संबंध में जब एरिया कार्मिक प्रबंधक से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि बुढार ग्रुप के अंतर्गत यह खेल मैदान आता है, उन्होंने वहां के कार्मिक प्रबंधक को इस पर ध्यान देने की बात कही है, भविष्य में इस तरह की समस्या यहां पर न उत्पन्न हो इस बात की भी पूरा ध्यान दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ फेसबुक पर टिप्पणी करने में एफआइआर दर्ज

शहडोल। जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक कांग्रेसी नेता के खिलाफ भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के मामले में एफआइआर दर्ज कराई है। सिंहपुर थाने में यह एफआइआर दर्ज कराई गई है, घटना 23 अप्रैल की बताई जा रही है। दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक सिंहपुर कस्बे में रहने वाले दीपेश तिवारी पिता जगदीश तिवारी उम्र 35 वर्ष मंडल अध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा ने सिंहपुर थाने में लिखित शिकायत देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सिंहपुर निवासी कांग्रेस नेता यादवेंद्र पांडे ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ फेसबुक पर अभद्र टिप्पणी की है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि जिस तरह से प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की गई है, उसे लगता है कि यादवेंद्र पांडे दंगा भड़काने की साजिश कर रहे हैं। फेसबुक पर जो टिप्पणी की गई है उसका स्क्रीनशॉट भी पुलिस को दिया गया है। इस संबंध में सिंहपुर पुलिस मामले की जांच करने में जुटी है और दीपेश तिवारी की शिकायत पर यादवेंद्र पांडे के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है।

तीनों नवीन संहिताओं के क्रियान्वयन के लिये दिया गया प्रशिक्षण

शहडोल। संभागीय जनसंपर्क अधिकारी अभियोजन नवीन कुमार वर्मा द्वारा जानकारी दी गई कि संचालक लोक अभियोजन श्रीमती सुषमा सिंह आईपीएस के निर्देशानुसार उपसंचालक अभियोजन श्यामलाल कोष्टा के मार्गदर्शन में 27 अप्रैल की शाम 04 बजे से 06 बजे तक तीन नवीन संहिताओं भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के क्रियान्वयन हेतु, जिले के समस्त अभियोजन अधिकारियों को जिला लोक अभियोजन कार्यालय में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उक्त प्रशिक्षण में जिले के अभियोजन अधिकारी भौतिक रूप से तथा तहसील के अभियोजन अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस में श्रीमती सुषमा सिंह ठाकुर एडीपीओ एवं राकेश कुमार पाण्डेय एडीपीओ द्वारा क्रमशः भारतीय साक्ष्य अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता 2023 पर विस्तृत रूप से व्याख्यान दिया गया।

खबर संक्षेप

उत्कृष्ट एवं मॉडल विद्यालयों की प्रवेश परीक्षा 30 को

उमरिया। प्राचार्य शासकीय सज्जन उत्कृष्ट विद्यालय ने बताया कि शिक्षा सत्र 2024-25 मे उत्कृष्ट विद्यालय एवं मॉडल स्कूल में कक्षा 9 वीं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा जिले के सात परीक्षा केन्द्रों में 30 अप्रैल को आयोजित की गई है। परीक्षार्थी ओपन बोर्ड की वेबसाइट से अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर निर्धारित परीक्षा केन्दों में उपस्थित होंगे, परीक्षा केन्द्रों में परीक्षार्थियों को प्रातः 9:15 बजे से प्रवेश दिया जाएगा।

खोई हुई दो मासूमों को सकुशल खोजकर परिवार से मिलाया

मानपुर। थाना में फरियादी रूपलाल साहू उम्र 40 साल निवासी लंका टोला द्वारा सूचना दी गई कि मेरी दो बच्चियां काव्या साहू उम्र 5 साल और छवि साहू उम्र 3 साल खेलते-खेलते घर से दोपहर 1 बजे से लापता हो गई है काफी पता तलाश किये परंतु कोई पता नही चल रहा। सूचना पर थाना मानपुर के द्वारा तत्काल टीम बनाकर बच्चियों की खोजबीन प्रारंभ की गई। टीम के प्रयासो के परिणाम स्वरूप बच्चियों को घर से 4 किमी दूर सिंगुड़ी तिराहा के पास से दस्तयाब किया जाकर सकुशल परिजनों को सुपुर्द किया गया। बच्चियां खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने से घर से दूर चली गई थी समय पर कार्यवाही की जाकर किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोका गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी शरद ख़म्परिया, उप निरीक्षक राजेंद्र यादव एएसआई शैलेन्द्र सिंह, आरक्षक रवि, रतन, राजेंद्र शामिल रहे।

पुरानी बस्ती से बूढी दादी मंदिर जाने वाली गली अत्यंत जर्जर

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 6 पुरानी बस्ती से बूढी दादी मंदिर जाने वाली गली अत्यंत जर्जर हो गई है। गिट्टी करने लगी है छोटे-छोटे गड्ढे हो गए हैं। ज्ञात हो कि जकीरा चौक से पुरानी बस्ती होते हुए वासुदेव गर्ग के घर के बगल से जाने वाली गली अत्यंत की जर्जर हालत में है। जबकि इस गली से 24 घंटे लोगों का आवागमन बना रहता है दो पहिया एवं पैदल चलने वाले इस मार्ग से आना-जाना करते हैं। इस जर्जर गली के संबंध में कई बार नगर पालिका अधिकारी उप यंत्री एवं पार्षद को भी जानकारी दी गई लेकिन उनका बस एक ही रटा रटाया जवाब रहता है कि जल्दी इस जर्जर गली का मरम्मत का कार्य करवाया जाएगा। नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही के कारण जर्जर सड़क का मरम्मत कर नहीं करवाया जा रहा है। आसपास के रह वासियों ने नगर पालिका प्रशासन से जर्जर सड़क की मरम्मत कराए जाने की मांग की है।

कोटवार की सड़क हादसे में मौत

कटनी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवि प्रसाद ने रजवारा नंबर 2 निवासी कोटवार भल्लूराम गडारी के गुरुवार को सड़क हादसे में असामयिक निधन पर दुःख व्यक्त किया है। कलेक्टर श्री प्रसाद ने उनके परिजनों को इस भीषण दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने और दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की ईश्वर से प्रार्थना की है। दिवंगत श्री गडारी की खजुराहो लोकसभा के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र विजयराघवगढ़ में शुक्रवार 26 अप्रैल को हो रहे मतदान के लिए मतदान केन्द्र क्रमांक 140 प्राथमिकशाला भवन रजवारा नंबर एक में सुरक्षा कर्मी विशेष पुलिस के तौर पर ड्यूटी लगी थी। कलेक्टर श्री प्रसाद को गुरुवार की देर शाम जैसे ही भल्लूराम गडारी के निधन की खबर मिली तो उन्होंने तत्काल एस डी एम विजयराघवगढ़ महेश मंडलोई को भारत निर्वाचन आयोग के नियमानुसार अनुग्रह राशि प्रदान करने का प्रकरण शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए थे।

चिकित्सा विभाग में फर्जी जाति प्रमाण से नौकरी करना हुआ आसान?

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सहारे उमरिया जिला चिकित्सालय में नौकरी करना अब कोई बड़ी बात नहीं है, फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर स्टॉफ नर्स की नौकरी कर रही महिला का एक कुनबा संभागीय मुख्यालय में जेल तक जा चुका है, लेकिन उमरिया का प्रशासिक अमला शिकायतों के बावजूद चुप्पी साधे टाल-मटोल करने पर लगा हुआ है।

शिकायत के बावजूद स्वास्थ्य विभाग नहीं ले रहा संज्ञान

उमरिया। फर्जी जाति प्रमाण-पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी करने वालों को बगैर विभागीय जांच के भी हटाया जाने के प्रावधान है, विभागीय सूत्रों की माने तो, सामान्य प्रशासन विभाग ने यह आदेश पहले भी जारी किया था, लेकिन इसका पालन नहीं किया जा रहा है, सामान्य प्रशासन विभाग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि एसटी, एससी, ओबीसी के जाली जाति प्रमाण-पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी करने वालों के प्रमाण-पत्र यदि उच्च स्तरीय छानबीन समिति द्वारा निरस्त करने की सूचना मिलती है तो, उन्हें तत्काल नौकरी से हटा दिए जाएं। इसके लिए किसी तरह की विभागीय या अन्य जांच की जरूरत नहीं है। जिन मामलों में कोर्ट ने स्थगन दिया है, उन प्रकरणों में स्टे समाप्त करने का आदेश विभागों को हैं, लेकिन जिले में वर्षो से फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी कर रही महिला कर्मचारी पर विभाग इतना मेहरबान है कि शिकायतों के बावजूद कार्यवाही की जगह टाल-मटोल किया जा रहा है।

यह है मामला

जिला चिकित्सालय में स्टॉफ नर्स के पद पर कार्यरत वैशाली अगरिया पिता मनोज अगरिया पर आरोप हैं कि उसने परिवार के अन्यजनों की तरह फर्जी जाति प्रमाण-पत्र बनवाया है। इस संदर्भ में जो तथ्य सामने आये हैं, उसमें पटवारी हलका क्रमांक 78 के वार्ड नंबर 28 तत्कालीन पटवारी पी.के.मिश्रा ने मनोज विश्वकर्मा की बेटी निहारिका के जाति प्रमाण-पत्र के आवेदन में जांच रिपोर्ट दिया था। उसमें टीप में स्पष्ट लेख किया था कि आवेदिका की जाति लोहार है, जो पिछड़े वर्ग में आती है। इसके साथ ही जांच प्रतिवेदन में टीप लिखा था कि आवेदिका के पिता मनोज का जाति प्रमाण पत्र अनुसूचित जनजाति का बना है जो संदेहास्पद है। जांच का बिन्दु है। इसके अलावा प्रतिवेदन में पार्षद प्रमाण पत्र की छायाप्रति मनोज कुमार अगरिया की जाति प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न है। इसके अलावा तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी ने 20 मई 2016 को फार्म अ में लेख किया कि तहसीलदार एवं हलका पटवारी के प्रतिवेदन में आवेदक लोहार जाति ओबीसी में आता है, इसलिए निहारिका अगरिया पिता मनोज अगरिया का जाति प्रमाण पत्र खारिज कर दिया गया। इस फार्म में टीप में उल्लेख किया गया कि आवेदिका के पिता मनोज का जाति प्रमाण-पत्र अनुसूचित जाति का बना है। जो संदेहास्पद है, जांच का बिन्दु हैं।

शिकायतकर्ता पर दबाव बनाने धमकाने का किया महिला कर्मचारी ने प्रयास

शिकायतकर्ता को धमकाया

वैशाली अगरिया के मामले में बीते माहों में सीएम हेल्प लाईन दर्ज कराई गई थी, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने जांच कराने की जगह सीएम हेल्प लाईन में प्रतिवेदन डाला कि वैशाली अगरिया की नियुक्ति रीवा से हुई थी, इसलिए शिकायत रीवा में की जाये, इससे स्पष्ट समझ आता है कि स्वास्थ्य विभाग ऐसे कूटरचित दस्तावेजों के नौकरी करने वाले को प्रश्रय दे रहा है, जबकि उमरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग को उक्त मामले में विस्तृत जांच कराकर दोषी के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करनी चाहिए थी। इस मामले में सबसे रोचक तथ्य यह है कि फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी करने वाली महिला कर्मचारी ने शिकायतकर्ता से फोन बीते माहों में अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए धमकाया, लेकिन महीनों बीतने के बाद प्रमाणित मामलो में कार्यवाही न होना, पूरे प्रशासनिक सिस्टम को कटघरे में खड़ा कर रहा है।

नहीं बढ़ाई जांच आगे

सुरेश विश्वकर्मा का कुनबा गोमती विश्वकर्मा, अभिषेक कुमार विश्वकर्मा, विवेक कुमार विश्वकर्मा, भारती विश्वकर्मा, अनीता विश्वकर्मा एवं राखी विश्वकर्मा, जो कि वैशाली अगरिया के रिश्तेदार है, उन्हें फर्जी जाति प्रमाण पत्र के मामले में संभागीय मुख्यालय में आरोपी बनाया गया , कई दिनों तक उक्त सभी फरार थे, जिसके बाद आरोपियों को जेल भी जाना पड़ा। लेकिन सुरेश के सगे भाई का कुनबा वैशाली अगरिया पिता मनोज अगरिया आज भी स्टाफ नर्स के पद पर कार्यरत है। इन पर कोई आंच नहीं आ रही है। सवाल यह है कि अगर सुरेश वास्तव में विश्वकर्मा है तो मनोज व वैशाली अगरिया कैसे हो सकते हैं। नवागत कलेक्टर अगर इस मामले में संज्ञान ले तो, फर्जी जाति प्रमाण-पत्र का पूरा मामला सामने आ सकता है।

ग्राम पंचायत में शो पीस बना सामुदायिक शौचालय

घुनघुटी। स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांव में बनाए गए सामुदायिक शौचालय में ताला लटक रहे हैं, शौचालय के निर्माण में लाखों रुपए खर्च किए गए, लेकिन इनका गांव में कोई उपयोग होता नहीं दिख रहा है, पाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालय में आज भी ताला लटक रहा है, लाखों की राशि का दुरुपयोग हो रहा है, पानी की सुविधा नहीं है, दीवारों में दरारें आ रही है, देखा जा रहा है कि जिले के जनपद पंचायत बिरसिंहपुर पाली की ग्राम पंचायत द्वारा बनाया गया सामुदायिक शौचालय परिषद का आम नागरिकों को लाभ नहीं मिल पा रहा है, कई माह पूर्व भवन निर्माण का काम पूर्ण हो चुका है। शौचालय कक्षों के बाहर ताला लटका रहता है। शौचालय होने के बाद भी लोग को खुले में निस्तार जाने की मजबूरी बनी हुई है, खासकर महिलाओं को जनपद वह अन्य कार्यों में निस्तार के लिए खासी परेशानी झेलनी पड़ती है। ग्राम पंचायत द्वारा गांव की उचित मूल्य दुकान के पास सामुदायिक भवन का निर्माण स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत किया गया था 3.45 लाख की लागत से निर्माण किया गया है, शौचालय लगभग 2 वर्ष पूर्व बनकर तैयार हो चुका है। तहसील कार्यालय, जनपद कार्यालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ग्राम पंचायत जैसी शासकीय कार्यालय में हर रोज सैकड़ो की संख्या में लोग बिरसिंहपुर पाली आते हैं, नागरिकों का कहना है की उम्मीद थी कि शौचालय चालू होने से वे आकस्मिक लघुशंका के दौरान इसका उपयोग कर सके। साथी ही ग्रामीण अंचलों में पंचायत द्वारा बनाए गए सामुदायिक भवन और स्वच्छता को प्रोत्साहन मिलता, वहीं निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद पंचायत इसकी संचालक को लेकर लेट-लतीफी कर रही है, दूसरी ओर भवन की दीवारों में खराबी आना चालू हो चुकी है। शौचालय धीरे-धीरे जर्जर होने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत स्वच्छता के मद्देनजर बचा हुआ काम पूर्ण कर आम ग्रामीणों के लिए चालू करने की व्यवस्था करें, अन्यथा लाखों रुपए खर्च कर भवन उपयोगविहिन रह जाएगा।

राशि हो गई खत्म, अधूरा रह गया शौचालय का निर्माण कार्य

समस्त महाविद्यालयों में प्रवेश उत्सव 1 मई से होगा प्रारंभ

उमरिया। म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा जारी अधिसूचना के परिपालन में उमरिया जिले के समस्त महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया 01 मई से प्रारंभ होगी। इस हेतु जिले के आठ महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम अपडेशन कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं सीटों का निर्धारण भी शासन के नियमानुसार संपादित हो चुका है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार अब कला संकाय के विद्यार्थी विज्ञान और गणित विषय लेकर अपनी डिग्री पूर्ण कर सकेंगे। हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी 01 मई से 20 मई तक प्रथम चरण में ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। जिसकी सीट आवंटन सूची 25 मई को जारी होगी एवं 25 मई से 03 जून तक विद्यार्थी शुल्क जमा कर महाविद्यालयों में प्रवेश ले सकते हैं। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर की प्रवेश प्रक्रिया अंतर्गत ऑनलाईन पंजीयन 2 मई से 20 मई तक होगा, जिसकी सीट आवंटन सूची 29 मई को जारी होगी तथा विद्यार्थी 29 मई से 5 जून तक प्रवेश प्रक्रिया अंतर्गत ऑनलाईन शुल्क जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकते हैं। इसी प्रकार द्वितीय चरण 27 मई से 13 जून एवं स्नातकोत्तर द्वितीय चरण 28 मई से 14 जून तक संचालित होगा, जिसमें स्नातक हेतु सीट आवंटन 19 जून एवं स्नातकोत्तर हेतु 22 जून को जारी होगा। 19 जून से 27 जून तक स्नातक स्तर पर एवं 22 जून से 29 तक स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थी शुल्क जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकते हैं। दो चरणों के बाद सीएलसी राउण्ड के माध्यम से 20 जून से 07 जुलाई तक स्नातक एवं 21 जून से 8 जुलाई तक स्नातकोत्तर स्तर पर ऑनलाईन पंजीयन होगा, जिसमें सीट आवंटन क्रमशः 12 जुलाई एवं 13 जुलाई को होगा एवं प्रवेश हेतु विद्यार्थियों को एक सप्ताह का समय दिया जाएगा।

ज्ञातव्य है कि म.प्र. शासन द्वारा उमरिया महाविद्यालय को पी.एम. एक्सीलेंस कॉलेज के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत पाठ्यक्रमों में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। जिसको ऑनलाईन पोर्टल पर विद्यार्थी आसानी से देख सकते हैं और भविष्य में उमरिया जिले की डॉ. सी.बी. सोदिया, प्राचार्य के मार्गदर्शन में चहुमुखी विकास की संभावनाएं हैं।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत हुआ कार्यक्रम

उमरिया। नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय नव ज्योति अकादमी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उच्च न्यायालय के निर्देश पर नशा जागरूकता का कार्यक्रम व्यवहार न्यायालय मानपुर के मजिस्ट्रेट अपूर्व महरोत्रा के उपस्थिति में आयोजित किया गया । इस अवसर पर बच्चो को संबोधित करते हुए बताया गया कि ईश्वर ने ये जीवन स्वस्थ्य रहने के लिए दिया है। अच्छा और स्वस्थ्य जीवन जीने के लिए हमे नशा से दूर रहना होगा नशा हमारे मूल्यवान जीवन को नष्ट कर देता है जो भी नशा करते है उनके जीवन में कभी भी स्थिरता नही आती। नशे से परिवार में लड़ाई झगड़ा और दूरिया उत्पन्न होती है इस दौरान बच्चोर को नशा नहीं करने का संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम को मानपुर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल पटेल, कुशलेंद तिवारी, अधिवक्ता संघ के सचिव अनिरुद्ध मिश्रा एवं अधिवक्ता सुनील तिवारी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन नव ज्योति अकादमी विद्यालय के प्राचार्य महेंद्र तिवारी ने किया। कार्यक्रम में कार्यालय प्रमुख अयोध्या प्रसाद तिवारी के सहित समस्त स्कूल स्टाफ एवं थाना मानपुर से एएसआई राम सिंह एवं स्टॉप और विद्यालय के बच्चे उपस्थित रहे।

शीतल जल पिलाकर युवाओं की टोली कर रही यात्रियों की सेवा

उमरिया। भीषण गर्मी को देखते हुए बिरसिंहपुर पाली रेलवे स्टेशन परिसर में जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम ने रेलवे की सहयोग से रेल यात्रियों के लिए वाटर सर्विस अभियान चलाया है। इस भीषण गर्मी को देखते हुए, स्टेशन पर जैसे ही ट्रेन आती है, सभी जल सेवक आवाज लगाकर प्रत्येक डिब्बे में ठंडा पानी पहुंचाने का काम करते दिखाई देते है। ठंडे पानी को देखकर रेल यात्री खुद इन जलसेवको के पास खींचे चले आते है। बिरसिंहपुर पाली रेलवे स्टेशन पर जैसे ही ट्रेन आती है, सभी जल सेवक आवाज लगाकर प्रत्येक डिब्बे में ठंडा पानी पहुंचाने का काम करते दिखाई देते है। युवा और युवती जल सेवक बनकर पिछले एक सप्ताह से लगातार रेल यात्रियों को भीषण गर्मी में ठंडा, मीठा पानी पिलाकर सेवा का कार्य कर रहे है। यात्रियों ने इस कार्य के लिए युवाओं की जमकर प्रशंसा की। लीडर हिमांशु तिवारी ने बताया कि लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए मुसाफिरों को शीतल जल उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि लोगों को गर्मी से राहत मिल सके। कई बुजुर्ग और बच्चे धक्का-मुक्की के बीच ट्रेन से उतरने का साहस नहीं जुटा पाते, महिलाएं कई बार पानी तक पहुंच ही नहीं पाती हैं, उन तक युवाओं की टोली पहुंचकर पानी उपलब्ध करती है। इस दौरान जलसेवक हिमांशु तिवारी, खुशी सेन, कशिश सेन, अंकित गौतम, राहुल सिंह, स्वाति सेन, संदीप सिंह, करिश्मा सेन, श्रीराम तिवारी, अंकित सिंह उपस्थित रहे।

1 मई को मनायें मजदूर दिवस-हरिद्वार सिह

जमुना/बदरा। हजारों मजदूरों की शहादत के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजदूरों का सबसे बड़ा त्योहार मजदूर दिवस 01 मई को समूचे दुनिया में मनाया जाता है पूंजीवाद जब चरम था तब 1886 में अमेरिका के शिकागो शहर में आठ घंटा काम आठ घंटा आराम आठ घंटा मनोरंजन के नारे के साथ लाखों मजदूर सड़कों पर उतर गए दर्जनों मजदूरों के बलिदान के बाद पूंजीवादी सरकारों को भी आठ घंटे काम के मजदूरों के शर्त को मानना पड़ा निश्चित रूप से दुनिया में मजदूरों की बहूत बड़ी जीत हुई। आज फिर से सरकार के संरक्षण में पूंजीपति 12 घंटे काम मजदूरों से करा रहे हैं सामाजिक सुरक्षा खत्म की जा रही है स्थाई कामों में अस्थायी रुप से मजदूरों को रखा जा रहा है पेंशन भी खत्म की जा रही है भारत में तो मजदूरों पर चार लेबर कोड लादकर मजदूरों को असहाय बनाने की कोशिश की जा रही है। एटक म प्र के अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं एसईसीएल के केन्द्रीय महामंत्री कामरेड हरिद्वार सिंह ने अपील किया है कि हर हाल में मजदुर दिवस धूमधाम से मनाया जाना चाहिए ताकि मजदूरों के महान त्योहार की प्रासंगिकता से नये पीढ़ी के मजदूर वाकिफ हो सकें।

अप्रैल माह में ही मई व जून जैसी गर्मी का हो रहा अहसास

गर्मी का बढ़ने लगा सितम, उल्टी दस्त व बुखार के मरीजों की संख्या में इजाफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

गर्मी का मौसम अब धीरे धीरे अपना उग्र रूप दिखाने लगा है साथ ही मौसमी बीमारियों ने भी पैर पसारना प्रारंभ कर दिया। गर्मी लोगों को बेहाल कर रही हैं। तेज धूप मे लोग बीमार पड़ने लगे हैं। उल्टी, दस्त व बुखार मरीज बढ़े हैं। सुबह 10 बजे से ही तेज धूप व गर्म हवा के थपेड़े झुलसाने लगते हैं। दोपहर के समय तो सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। इस गर्मी में लोग बीमार पड रहे है खास कर बच्चों पर बुरा प्रभाव गर्मी का पड़ रहा है। अस्पताल में उल्टी दस्त व बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। सरकारी से लेकर निजी अस्पतालों में उल्टी-दस्त, बुखार से पीड़ित बच्चे पहुंच रहे हैं। मौसम में अचानक परिवर्तन से अप्रैल में ही मई व जून से अधिक गर्मी पड़ रही है। पारा भी ऊपर नीचे हो रहा है। भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। गर्मी के साथ नमी मिलने पर बैक्टीरिया का संक्रमण बढ़ गया है। दूषित खानपान और साफ-सफाई पर ध्यान न देने से लोग बीमार पड़ रहे हैं। कम प्रतिरोधक क्षमता होने के कारण बच्चे चपेट में आ रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की भीड़ हो रही है। बुखार, उल्टी, दस्त, पेट दर्द, सांस, सर्दी, जुकाम से बच्चे पीड़ित हो रहे हैं। बीमार बच्चों को लेकर तीमारदार पहुंच रहे हैं।

चिकित्सकों ने लोगों से वेबजह बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि दिनों दिन से बढ़ रहे तापमान के कारण हीटवेव की आशंका जताई गई है। जिससे बचाव के कुछ उपाय आमजन को करना होगा। पानी व तरल पदार्थ का सेवन करें। यात्रा करते समय पानी साथ रखें। निर्जलीकरण से बचने के लिए ओआरएस का प्रयोग करें। संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें। अधिक प्रोटीन वाले व बासी खाद्य पदार्थ खाने से बचें। हल्के रंग के सूती एवं ढीले कपड़े पहने। सर को ढकें एवं कड़ी धूप से बचें । विशेष तौर पर दोपहर 12 से तीन बजे तक सूर्य का ताप सर्वाधिक रहता है। बच्चों एवं पालतू जानवरों को कभी भी बंद गाड़ी में अकेला न छोड़ें। जहां तक संभव हो घर में ही रहें और सूर्य के संपर्क से बचे। लू से प्रभावित व्यक्ति को छाया में लिटाकर सूती गीले कपड़ों से पोंछे। सामान्य जल से नहलाएं, लू लगने के लक्षणों को पहचानें, यदि कमजोरी लगे, सिर दर्द हो, उल्टी महसूस हो, तेज पसीना और झटका जैसे महसूस हो चक्कर आये तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

खबर संक्षेप

प्रेक्षक ने की पीठासीन अधिकारी की डायरी की समीक्षा

रीवा। रीवा लोकसभा क्षेत्र में मतदान समाप्त होने के बाद 26 अप्रैल को देर रात तक मतदान सामग्री तथा ईव्हीएम इंजीनियरिंग कालेज में बनाए गए निर्धारित स्थलों में जमा की गर्इं। सामान्य प्रेक्षक संजीव कुमार तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में पीठासीन की डायरी एवं फार्म 17 क की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इंजीनियरिंग कालेज के कक्ष क्रमांक 9 में आयोजित बैठक में प्रेक्षक ने विधानसभावार तथा मतदान केन्द्रवार समीक्षा की। उन्होंने मतपत्र लेखा, फार्म 17 क तथा पीठासीन की डायरी की मतदान केन्द्रवार समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उम्मीदवारों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आयुष्मान योजना के प्रदेश प्रभारी ने किया सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का निरीक्षण

रीवा। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रीवा में गंभीर रोगों का सफलतापूर्वक उपचार किया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के प्रदेश प्रभारी डॉ अरविंद गढ़वाल ने सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल का निरीक्षण किया। डॉ गढ़वाल ने निरीक्षण के दौरान आयुष्मान कार्ड के माध्यम से रोगियों को दी जा रही उपचार सुविधाओं तथा आयुष्मान मित्रों के कार्यों की जानकारी ली। डॉ गढ़वाल ने आयुष्मान के नोडल अधिकारियों एवं आयुष्मान मित्रों के कार्यों की बैठक में बिन्दुवार समीक्षा की। मौके पर उपस्थित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के अधीक्षक डॉ अक्षय श्रीवास्तव ने बताया कि अस्पतालों में आयुष्मान योजना में कई समस्याएं आ रही हैं। कई गंभीर रोगों का उपचार आयुष्मान भारत योजना में शामिल नहीं है जिसे शामिल किया जाना आवश्यक है। अस्पताल में संचालित डायलिसिस यूनिट में आने वाले ऐसे मरीज जिनका प्रिऑथ अप्रूवल नहीं है उन्हें अप्रूव कराया जाए। निरीक्षण के समय डॉ प्रीतम सिंह, डॉ नीरज पटेल तथा अन्य चिकित्सक एवं तकनीशियन उपस्थित रहे।

प्रकरण की सुनवाई श्रम न्यायालय रीवा में होगी

रीवा। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड मुम्बई तथा अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड रीवा एवं प्रबंध संचालक अल्ट्राटेक सीमेंट मुम्बई से आवेदक अजीत प्रसाद दुबे पिता ओमप्रकाश दुबे का औद्योगिक विवाद विधिमान्य है। उप श्रमायुक्त इंदौर ने औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के तहत दर्ज औद्योगिक विवाद की सुनवाई के लिए अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रकरण श्रम न्यायालय रीवा को प्राधिकृत किया है। अब प्रकरण की सुनवाई श्रम न्यायालय रीवा में की जाएगी जिसमें श्रम न्यायालय द्वारा सुनवाई कर श्री अजीत प्रकाश दुबे के सेवा पृथक्करण की वैधानिकता का निर्धारण किया जाएगा।

भगवान परशुराम के प्राकट्योत्सव की तैयारी के लिए विचार गोष्ठी का आयोजन आज

अनूपपुर। विप्र समाज अनूपपुर के संयोजक मानस मर्मज्ञ ओजस्वी वक्ता पंडित राम नारायण द्विवेदी, आर्यावर्त ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित चैतन्य मिश्रा, अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद के जिलाध्यक्ष पंडित विद्याधर पांडे तथा अनूपपुर अखंड ब्राह्मण महासभा के संस्थापक पंडित सुभाष चतुर्वेदी ने संयुक्त रूप से जिले के विप्र बंधुओ से निवेदन किया है कि आज 28 अप्रैल को धनवर्षा पैलेस शंकर मंदिर के पास सिद्ध बाबा रोड चेतना नगर अनूपपुर में विचार गोष्ठी का आयोजन सायंः 5 बजे से रखा गया है। जिसमें सभी विप्र समाज के लोगों से अपील की गई है कि सभी लोग उपस्थित होकर अपने विचार रखें एवं अपना मार्गदर्शन दें। जिससे ब्राह्मण समाज अपने स्वाभिमान की रक्षा करते हुए लक्ष्य तक आगे बढ़े। बताया गया कि आयोजित विशाल बैठक निश्चय ही अनूपपुर ब्राह्मण समाज के लिए परिणामकारी सिद्ध होगी। कई विषयों को समायोजित किया जाएगा उस पर सार्थक प्रयास किया जाएगा एवं सभी विषयों पर गहन चिंतन किया जाएगा।

बारह वर्षीय बाल कलाकार हर्षल चंदवानी एवं भजन गायिका सौम्या पंजवानी का रीवा आगमन

राजकपूर आडोटोरियम में दो दिवसीय 'सिन्धियत जो मेलो' का शुभारंभ आज

रीवा। सिन्धु यूथ विंग सामाजिक सांस्कृतिक संस्था रीवा द्वारा संस्कारधानी रीवा के हृदय स्थल में स्थित कृष्णा राजकपूर आडोटोरियम के प्रांगण में दो दिवसीय सिन्धियत जो मेलों का आयोजन 28 एवं 29 अप्रेल 2024 को किया गया है। जिसका विधिवत शुभारंभ 28 अप्रेल रविवार को सायंकाल 4.00 बजे नगर पालिक निगम रीवा के महापौर अजय मिश्रा ''बाबा'' एवं समाज के अध्यक्ष सरदार प्रहलाद सिंह द्वारा भगवान श्री झूलेलाल जी की प्रतिमा के समक्ष पूजन अर्चन कर किया जावेगा। तथा 5.30 बजे युवाओं में सामाजिक संदेश देने के उद्देश्य से फिल्म कर्ज एवं इश्क एक इम्तिहाल का प्रदर्शन किया जावेगा। मेले में सायंकाल 7.30 बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें राजस्थान सिन्धु आयडल 12 वर्षीय मास्टल हर्ज़ल चंदवानी एवं कानपुर की भजन गायिका सोम्या पंजवानी द्वारा भक्ति संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जावेगा। उक्त आशय की जानकारी सिन्धु यूथ विंग के संस्थापक संरक्षक सचिन डूडानी ने प्रेस विज्ञप्ति में देते हुए बताया कि-ट्रेडिशनल स्वादिष्ट व्यंजनों पर आधारित फूॅड फेस्टिवल (आनन्द मेला) का भव्य आयोजन किया गया है। जिसमें मातृ शक्तियों द्वारा आर्ट क्राफ्ट्स, बुटीक, हेल्थकेयर एवं सिन्धी ट्रेडिशनल व्यंजनों से संबंधित स्टालों के माध्यम से समाज की महिलाओं को आत्म निर्भर एवं स्वावलंबी बनने का संदेश दिया जावेगा। साथ ही स्वास्थ के प्रति जागरुकता लाने के लिए अपोलो हास्पिटल एवं नेशनल हास्पिटल के सौजन्य से हेल्थ चेकप कैम्प लगाया गया है जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण कर समुचित सलाह प्रदान की जावेगी। विज्ञप्ति के अंत में समाज के सभी गणमान्य नागरिकों, साहित्य प्रेमियों तथा सिन्धियत के शुभचिंतकों से सपरिवार उक्त कार्यक्रम में पहुंचने का अनुरोध किया है। तथा पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम एवं यातायात विभाग से समुचित व्यवस्था बनाने की अपेक्षा की है।

देर रात तक सभी मतदान दल वापस लौटे - स्ट्रांग रूम में सील हुई ईव्हीएम

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 में रीवा संसदीय क्षेत्र में 26 अप्रैल को मतदान संपन्न हुआ। मतदान संपन्न होने के बाद देर रात तक सभी 2014 मतदान केन्द्रों के मतदान दल वापस लौटे। सबसे पहले रीवा नगर निगम क्षेत्र तथा मनगवाँ विधानसभा क्षेत्र के मतदान दल पहुंचे। इंजीनियरिंग कालेज में विधानसभावार बनाए गए काउंटरों में ईव्हीएम तथा अन्य मतदान सामग्री जमा कराई गई। जिन ईव्हीएम का उपयोग नहीं किया गया उन्हें सीधे वेयरहाउस ले जाकर संधारित किया गया। मतदान दलों की वापसी के बाद विधानसभावार बनाए गए स्ट्रांग रूमों में ईव्हीएम मतदान केन्द्रवार संधारित की गर्इं। उम्मीदवारों, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा प्रेक्षक की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम सील किए गए। मतदान सामग्री जमा करने के बाद मतदान दल के सदस्यों को सेक्टर आफीसरों द्वारा निर्वाचन कार्य से मुक्त किया गया। मतदान दलों के लिए अधिग्रहीत बसों तथा अन्य वाहनों को भी मतदान दलों की वापसी के बाद क्रमशः मुक्त किया गया। इंजीनियरिंग कालेज में बनाए गए स्ट्रांग रूमों की निगरानी के लिए अधिकारी तैनात किए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने स्ट्रांग रूम की 24 घंटे निगरानी के लिए विधानसभावार तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार तैनात किए हैं। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए एसडीएम हुजुर वैशाली जैन को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। जिला समन्वयक लोक सेवा प्रबंधक रविकांत पाण्डेय तथा उनके सहयोगी अधिकारियों द्वारा सीसीटीवी से निगरानी की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मतदान सामग्री जमा होते समय सामान्य प्रेक्षक संजीव कुमार, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, आयुक्त नगर निगम तथा प्रभारी अधिकारी सामग्री वितरण श्रीमती संस्कृति जैन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले, नोडल अधिकारी ईव्हीएम आदित्य सिंह, सभी सहायक रिटर्निंग आफीसर एवं अन्य संबंधित अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

यात्री बस और कार की सीधी टक्कर एक की मौत दो गंभीर

बारात से वापस लौट रहे थे कर सवार युवक

रीवा। जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कर और बस की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए इस घटना में एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई

मिली जानकारी के अनुसार निराला नगर निवासी दीपेंद्र कुमार सिंह सचिन कोल और पुलिस लाइन के कोमल सिंह सवाल थे जिसमें सचिन कोल की घटना स्थल पर ही मौत हो गई है परिजनों ने बताया है कि कार सवार डभौरा वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे जो शनिवार को वापस आ रहे थे जैसे ही बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के मारव के समीप के समीप पहुंचे सामने से आ रही बस से आमने-सामने की टक्कर हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला लेकिन जब तक सचिन की मौत हो गई। फिलहाल घायल दीपेंद्र कुमार सिंह और कोमल सिंह को उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है

इनका कहना है

कार में तीन लोग सवार थे। कार में सवार दो लोग निराला नगर के रहने वाले थे जबकि एक पुलिस लाइन की रहने वाली है सभी वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए डभौरा गए हुए थे। सुबह वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। उसी दरमियान सड़क हादसा हो गया। कार की टक्कर रीवा से सिरमौर की तरफ जा रही पूजा ट्रेवल्स बस से हो गई। जिसमें सचिन कोल की मौके पर ही मौत हो गई

विजय सिंह बघेल थाना प्रभारी बैकुंठपुर रीवा

किशोर न्याय अधिनियम के संबंध में आयोजित की गई कार्यशाला

रीवा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं किशोर न्याय बोर्ड द्वारा एडीआर सेंटर जिला न्यायालय परिसर में कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सुबोध कुमार जैन के निर्देशानुसार आयोजित कार्यशाला में किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायाधीश श्री आशीर्वाद भिलाला तथा किशोर न्याय बोर्ड की प्रधान मजिस्ट्रेट श्रीमती नीलिमा देवदत्त ने अधिनियम के प्रावधानों एवं किशोर न्याय बोर्ड की प्रक्रिया की जानकारी ली। कार्यशाला में श्रीमती ममता नरेन्द्र सिंह, केपी शर्मा, विक्रमादित्य तिवारी, डॉ मुकेश येंगल तथा श्री सुमित सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला का संचालन राजश्री सिंह ने किया। कार्यशाला का समापन जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा द्वारा आभार प्रदर्शन से हुआ। कार्यशाला में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कन्या महाविद्यालय में लगी आग, कई घंटे की मशक्कत के बाद आग में पाया गया काबू

रीवा। जिले मे शनिवार को शासकीय कन्या महाविद्यालय में उसे समय हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई। जब कन्या महाविद्यालय के गोल्डन जुबली विभाग के पीछे आगे की लगे उठने लगी। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई जहां काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है आग कैसे लगी इसका पता अभी तक पता नहीं चला पाया है। संबंधित स्टाफ में बताया कि गोल्डन जुबली विभाग में कई कंप्यूटर एवं अन्य सामग्रियां रखी हुई है जिन्हें पहले ही बाहर निकलने का प्रयास किया गया था आग की लपटे इतनी तेज थी की सामग्री बाहर निकल नहीं पाई।

विन्ध्य के सबसे बड़े संजय गांधी अस्पताल मे मरीजों का हाल बेहाल

रीवा। विंध्य क्षेत्र की सबसे बड़ी संजय गांधी अस्पताल है जो कि हमेशा सुर्खियों मे बना ही रहता है अस्पताल कभी अव्यवस्थाओं को लेकर तो कहीं मारपीट की घटनाओं को लेकर तो कभी चोरी की घटनाओं को लेकर, सुर्खियों में बना ही रहता है हाल में ही एक मामला सामने आया है जहां विगत कई सालो से बंद पड़ी लिफ्ट अभी तक खुल नहीं पाई है। वर्ष 2003 में बनी संजय गांधी अस्पताल में 11 लिफ्ट इंस्टॉल की गई थी जिन में से अभी तक चार लिफ्टों का ही संचालन हो पाया है, बाकी लिफ्ट कहां है क्यों नहीं चल रही यह प्रबंधन ही जाने लेकिन लिफ्ट न लगने के चलते मरीजों को वार्ड में पहुचने के लिए खासा मशक्कत करनी पड़ती है। लिफ्ट न होने के कारण मरीजों को बहुत परेशानी हो रही है संजय गांधी अस्पताल विंध्य की सबसे बड़ी अस्पताल है जहां चार से पांच जिलों के मरीज उपचार कराने पहुंचते हैं लेकिन यहां की अव्यवस्थाओं से परेशानी रहते हैं जिससे अस्पताल प्रशासन की लापरवाही पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कलेक्टर ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रीवा। रीवा लोकसभा क्षेत्र में मतदान संपन्न होने के बाद इंजीनियरिंग कालेज में विधानसभावार बनाए गए स्ट्रांग रूम में ईव्हीएम मशीनें रखी गई हैं। उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इन्हें सील बंद किया गया। इंजीनियरिंग कालेज में विधानसभा क्षेत्र रीवा, गुढ़, सिरमौर, सेमरिया, त्योंथर, देवतालाब, मऊगंज तथा मनगवां विधानसभा क्षेत्रों की सभी ईव्हीएम रखी गई हैं। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए अद्र्धसैनिक बल के सशस्त्र जवान तैनात किए गए हैं। अद्र्धसैनिक बल मतगणना होने तक स्ट्रांग रूम की निगरानी करेंगे। स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इनके माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों को भी स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए इंजीनियरिंग कालेज में समुचित सुविधा दी गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे का डिस्प्ले ऐसे स्थान पर लगाएं जहाँ से उपम्मीदवार के प्रतिनिधि भी आसानी से देख सकें। सीसीटीवी कैमरे में इनवर्टर तथा जनरेटर से पावर बैक की सुविधा रखें जिससे किसी भी स्थिति में कैमरे बंद न हों। स्ट्रांग रूम के बाहर 24 घंटे राजस्व अधिकारी तैनात रहेंगे। निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कठोरता से पालन करते हुए ईव्हीएम की सुरक्षा करें। इसमे किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले, ईव्हीएम प्रभारी आदित्य सिंह, जिला प्रबंधक लोकसेवा रविकांत पाण्डेय तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए 24 घंटे तैनात रहेंगे राजस्व अधिकारी

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 में रीवा लोकसभा क्षेत्र में 26 अप्रैल को मतदान संपन्न हो गया। मतदान के बाद इंजीनियरिंग कालेज में विधानसभावार बनाए गए 8 अलग-अलग स्ट्रांग रूमों में ईव्हीएम मशीनें रखी गई हैं। इनकी सुरक्षा के लिए केन्द्रीय अद्र्धसैनिक बल के सशस्त्र जवान तैनात किए गए हैं। स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने स्ट्रांग रूम की 24 घंटे निगरानी के लिए तीन पालियों में राजस्व अधिकारी तैनात किए हैं। जारी आदेश के अनुसार 27 अप्रैल से 3 मई की अवधि में सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक तहसीलदार विनयमूर्ति शर्मा, दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक तहसीलदार नीलेश सिंह तथा रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक तहसीलदार सुमित गुप्ता तैनात रहेंगे। इसी तरह 4 मई से 10 मई की अवधि में सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला, दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक तहसीलदार विनयमूर्ति शर्मा तथा रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक तहसीलदार नीलेश सिंह तैनात रहेंगे। जारी आदेश के अनुसार 11 मई से 17 मई की अवधि में सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक तहसीलदार सुमित गुप्ता, दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला तथा रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक तहसीलदार विनयमूर्ति शर्मा तैनात रहेंगे। इसी तरह 18 मई से 24 मई की अवधि में सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक तहसीलदार नीलेश सिंह, दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक तहसीलदार सुमित गुप्ता तथा रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला तैनात रहेंगे। स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए 25 से 31 मई तक सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक तहसीलदार विनयमूर्ति शर्मा, दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक तहसीलदार नीलेश सिंह तथा रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक तहसीलदार सुमित गुप्ता तैनात रहेंगे। इसी तरह एक जून से 4 जून तक सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला, दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक तहसीलदार विनयमूर्ति शर्मा तथा रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक तहसीलदार नीलेश सिंह तैनात रहेंगे। कलेक्टर ने कहा है कि तैनात अधिकारी रिलीवर के आने पर ही कार्यस्थल से प्रस्थान करेंगे।

खबर संक्षेप

यूटीयूसी 1 मई को सोन मौहरी में आयोजित करेगा श्रमिक सम्मेलन

अनूपपुर। रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी एवं युनाईटेड ट्रेड यूनियन कांग्रेस के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय मई दिवस के अवसर पर श्रमिक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन 1 मई को ग्राम सोन मौहरी मे किया गया है। यूटीयूसी के कार्यकर्ताओं ने बताया कि अमेरिका के शिकागो शहर में 01 मई 1886 को सैकड़ो मजदूरों के शहादत के बाद श्रमिकों की ऐतिहासिक जीत हुई थी। उसी दिन से पूरे दुनिया में श्रमिक वर्ग 01 मई को अपने अधिकारों के रक्षा एवं संघर्ष को संकल्प के रूप में मनाते है। इसी तारतम्य में रिवोल्यूशनरी सोसलिस्ट पार्टी एवं युनाईटेड ट्रेड यूनियन कांग्रेस द्वारा संयुक्त रूप से ग्राम सोन मौहरी में असंगठित क्षेत्र के ग्रामीण श्रमिकों के कानूनी अधिकारों की रक्षा एवं जागरूकता के लिए 01 मई 2024 दिन बुधवार को श्रमिक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। अपील की गई है कि मई दिवस के पर्व के अवसर पर 1 मई को सायं 4 बजे से ग्राम सोन मौहरी में कॉमरेड भईयालाल राठौर के निवास के सामने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रमिक सम्मेलन को सफल बनायें।

भगवान परशुराम के प्राकट्योत्सव की तैयारी के लिए विचार गोष्ठी का आयोजन आज

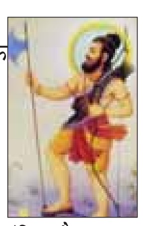

अनूपपुर। विप्र समाज अनूपपुर के संयोजक मानस मर्मज्ञ ओजस्वी वक्ता पंडित राम नारायण द्विवेदी, आर्यावर्त ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित चैतन्य मिश्रा, अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद के जिलाध्यक्ष पंडित विद्याधर पांडे तथा अनूपपुर अखंड ब्राह्मण महासभा के संस्थापक पंडित सुभाष चतुर्वेदी ने संयुक्त रूप से जिले के विप्र बंधुओ से निवेदन किया है कि आज 28 अप्रैल को धनवर्षा पैलेस शंकर मंदिर के पास सिद्ध बाबा रोड चेतना नगर अनूपपुर में विचार गोष्ठी का आयोजन सायं: 5 बजे से रखा गया है। जिसमें सभी विप्र समाज के लोगों से अपील की गई है कि सभी लोग उपस्थित होकर अपने विचार रखें एवं अपना मार्गदर्शन दें। जिससे ब्राह्मण समाज अपने स्वाभिमान की रक्षा करते हुए लक्ष्य तक आगे बढ़े। बताया गया कि आयोजित विशाल बैठक निश्चय ही अनूपपुर ब्राह्मण समाज के लिए परिणामकारी सिद्ध होगी। कई विषयों को समायोजित किया जाएगा उस पर सार्थक प्रयास किया जाएगा एवं सभी विषयों पर गहन चिंतन किया जाएगा। विप्र समाज ने बताया कि भार्गव भगवान परशुराम प्रगटोत्सव के भव्य आयोजन हेतु विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसमें विप्र समाज के सभी लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

चचाई के छात्रों ने किया शानदार प्रदर्शन

चचाई। विद्युत नगरी चचाई के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बोर्ड परीक्षाओं में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया कक्षा 12वीं में परीक्षा परिणाम 100% रहा प्रथम स्थान पर बहन हर्षिता चौरसिया पिता हरीश प्रसाद चौरसिया ने गणित संकाय में 81.2 प्रतिशत द्वितीय स्थान पर बहन मीनाक्षी चौरसिया पिता ब्रिज किशोर चौरसिया ने जीव विज्ञान संकाय में 67.4% तृतीय स्थान पर बहन साक्षी द्विवेदी पिता शिवकुमार द्विवेदी ने 65.4% अंक अर्जित किया वहीं कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा में प्रथम स्थान पर बहन समीक्षा वर्मा पिता संजय वर्मा ने 84.2% दूसरे स्थान पर भैया अमन कुमार पटेल पिताजी जितेंद्र कुमार पटेल ने 83.4% वही तृतीय स्थान पर शौर्य गौतम पिता भास्कर गौतम ने 81% अंक प्राप्त किया इसी तरह आठवीं बोर्ड परीक्षा में अंशिका तिवारी पिता रजनीश तिवारी ने 85.3 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रही द्वितीय स्थान पर आलिया परवीन पिता रियाजुद्दीन ने 81.5% वहीं तीसरे स्थान पर इच्छा गुप्ता पिता विजय कुमार गुप्ता ने 80.8% अंक अर्जित कर अपने विद्यालय नगर का नाम रोशन किया।

जिले में धड़ल्ले से चल रहा सफेद दूध का काला कारोबार

सवालों के घेरे में दूध की गुणवत्ता

डेयरी संचालक से लेकर छोटे ग्वाले भी कर रहे जिंदगी से खिलवाड़

खाद्य एवं औषधि विभाग की मूक सहमति

इस समय दूध की गुणवत्ता सवालों के घेरे में है। जिला मुख्यालय व इसके आसपास के क्षेत्रो मे बड़ी संख्या में दूध में मिलावट की जा रही है और लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। यह कारोबारियों का मुनाफा बढ़ाने वाला खेल है इसलिए लोगों के स्वास्थ्य की कीमत पर भी खेला जा रहा है। दूध को घरों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में स्वच्छता का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा जाता है।

अनूपपुर।

जिन बर्तनों में दूध रखा जाता है उनमें लगा डिटर्जेंट भी ठीक से धुल नहीं पाता है और सीधा दूध में मिल जाता है। इसके अलावा दूध में यूरिया, स्टार्च, ग्लूकोज, फॉर्मेलिन के साथ डिटर्जेंट की मिलावट भी धड़ल्ले से की जा रही है। ये सभी पदार्थ दूध में इसलिए मिलाए जाते हैं ताकि दूध को और गाढ़ा बनाया जा सके, उसमें फैट कम न हो और फिर इन्हें मिलाने से दूध को ज्यादा समय तक सहेजना भी संभव हो सके।

भारत जैसे देश में जहां बड़े पैमाने पर दूध उत्पादन असंगठित क्षेत्र द्वारा किया जाता है जिनमें छोटे ग्वाले या दूधवाले शामिल हैं वे अक्सर दूध को उपभोक्ता तक पहुंचाने की प्रक्रिया में साफ-सफाई का विशेष ख्याल नहीं रखते हैं। जिले मे मिलावटखोर जहां जानबूझकर दूध में ऐसे तत्व मिलाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हैं तो ये छोटे दूधवाले दूध के संरक्षण की सही प्रक्रिया से ही अनजान हैं। दूध में पानी की मिलावट किसी भी व्यक्ति को सामान्य बात लग सकती है लेकिन यह सभी तरह की मिलावट में सबसे खतरनाक है। दूध की मात्रा बढ़ाने के लिए उसमें मिलाया जाने वाला पानी अमूमन दूषित होता है जो कि स्वास्थ्य के लिए बहुत ही ज्यादा घातक है। जब दूध में पानी की मिलावट रहती है तो उसका स्वाद बदल जाता है। ऐसे दूध को जब गर्म किया जाता है तो कितना भी गर्म करने पर वह बर्तन से बाहर नहीं आता है।

चाय भी बनती है बेस्वाद

मिलावटी दूध से बनने वाली चाय बेस्वाद ही रहती है और निकलने वाली मलाई भी कम हो जाती है। जो लोग दूध में पानी की मिलावट करते हैं उन्हें पकडे जाने का भय होता है क्योंकि दूध की गुणवत्ता प्रभावित होती है और इससे बचने के लिए वे दूध का गाढ़ापन, स्वाद और घनत्व बढ़ाने के लिए उसमें यूरिया, स्टार्च, फॉर्मेलिन, डिटर्जेंट, स्किम मिल्क पावडर, न्यूट्रालाइजर्स सहित कुछ अन्य तत्वों की मिलावट करते हैं। मिलावट का सारा कारोबार मुनाफे के लालच से जुड़ा है। जिला मुख्यालय व आसपास के क्षेत्र मे डेयरी वाले भी रातोरात करोड़पति बनने के फेर मे ग्राहको की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं वही खाद्य एवं औषधि विभाग चंद सिक्को के फेर मे अपनी मूक सहमति दिये हुये है।

कैंसर से मौत तक का खतरा

आहार विशेषज्ञों के अनुसार अभी तक तीन सफेद खाद्य वस्तुओं को स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माना गया था जिनमें नमक, शक्कर और मैदा शामिल थी लेकिन अब इसमें दूध भी शुमार हो गया है। द इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि डिटर्जेंट के कारण खाद्य विषाक्तता (फूड पॉइजनिंग) और आंतों और पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा दूध में मिलावट के कारण हृदय संबंधी समस्या, कैंसर और कई बार मृत्यु तक हो सकती है। जिस दूध में यूरिया, कास्टिक सोड़ा या फॉर्मेलिन की मिलावट है उसे पीने से तुरंत पेट संबंधी दिक्कतें शुरू होती हैं और लंबे समय में यह गंभीर बीमारी में बदल जाती है जो जानलेवा हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने दी थी समझाइश

दूध में मिलावट के खतरे को भांपते हुए जुलाई 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मिलावटखोरों से कडे तरीके से निपटना चाहिए और इसके लिए आजीवन कारावास का प्रावधान होना चाहिए। कोर्ट ने सरकार को इस दिशा में पहल करने के लिए भी कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि दूध में मिलावट करने वालों को मात्र छह महीने की सजा देकर छोड़ा नहीं जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने दूध में मिलावट के मामले को गंभीरता से लेते हुए इसके लिए छह महीने की सजा के बजाय आजीवन कारावास की सजा हेतु सरकार को पहल करने को कहा था। इसके अलावा कोर्ट ने दूध में मिलावट के कारोबार को रोकने के लिए नियमित रूप से जांच करने के आदेश भी दिए थे। दूध में मिलावट के बढ़ते चलन और इससे होने वाले स्वास्थगत खतरों को देखते हुए सजा के इस कदम का स्वागत किया ही जाना चाहिए।

ऐसे करें दूध का परीक्षण

यूरिया की पहचान के लिए टेस्ट- 5 मिली दूध को 5 मिली पैराडिमिथाइल अमीनो बेंजल्डिहाइड के साथ अच्छे से मिलाइए। यह यह मिश्रण पीला हो जाता है तब दूध के इस सैंपल में यूरिया की मिलावट तयशुदा है।

संथेटिक दूध को पहचानें- सिंथेटिक दूध का स्वाद कुछ कडवापन लिए होता है। उंगलियों के बीच इस रगड़ने पर साबुन जैसा चिकनापन लगता है। गर्म करने पर पीला भी पड़ जाता है।

स्टार्च की मिलावट का टेस्ट- 3 मिली दूध को गर्म कीजिए। इसके बाद दूध को कमरे के तापमान पर ठंडा करके उसमें 2-3 बूंद आयोडिन की मिलाइए। नीला रंग आपको बता देगा कि दूध में स्टार्च की मिलावट की गई है।

ग्लूकोज की मिलावट का टेस्ट- डायसेटिक स्ट्रिप को लेकर दूध में 30 सेकंड से 1 मिनट तक डुबाकर रखिए। अगर इस स्ट्रिप का रंग बदल जाता है तो पता चलता है कि दूध में ग्लूकोज मिलाया गया है।

क्या-क्या मिलाया जाता है दूध में

दूध में जिन पदार्थों की मिलावट की जाती है उनसे शरीर को किस तरह नुकसान पहुंचता है उसे ऐसे समझें-

यूरिया: सिंथेटिक मिल्क में फैट वैल्यू बढ़ाने के लिए यूरिया मिलाया जाता है। यह आंतों और पाचन तंत्र पर बुरा असर डालता है।

डिटर्जेंट: इसकी मदद से भी फैट वैल्यू बढ़ती है मगर स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

फॉर्मेलिन: आमतौर पर पाश्चुरीकृत दूध 4 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर 48 घंटे तक रखा जा सकता है। मगर कारोबारी दूध को ज्यादा दिनों तक रखने के लिए उसमें फॉर्मेलिन की मिलावट करते हैं। यह ऑर्गन फेल्योर की स्थिति ला देता है। साथ ही आंतों और पाचन तंत्र को बुरी तरह प्रभावित करता है।

शुगर: लैक्टोमीटर पर रीडिंग बढ़ाने के लिए के लिए, पानी की मिलावट छुपाने के लिए दूध में शुगर मिलाई जाती है। अगर पानी अशुद्ध है तो बड़े पैमाने पर फैलने वाली बीमारी की चपेट में आप आ सकते हैं।

नमक: लैक्टोमीटर रीडिंग से बचाव के लिए पानी वाले दूध में नमक मिला दिया जा है। इससे भी दूध की पौष्टिकता कम हो जाती है।

प्रतिष्ठित मूर्तियों की बेकदरी वन विभाग की कार्यवाही या व्यक्तिगत गुण्डागर्दी

शीघ्र बनेगा इको फ्रेंडली मन्दिर और पुनर्स्थापित होंगी मूर्तियाँ

अमरकंटक।

नर्मदा मैया की उद्गम नगरी अमरकंटक में वन विभाग की संदिग्ध कार्यवाही ने यहां के शांत माहौल मे दुस्साहसिक बखेडा खड़ा कर दिया है। वन विभाग के कुछ अधिकारियों कर्मचारियों पर द्वेषात्मक कार्यवाही करने का गंभीर आरोप है। यद्यपि घटना की जानकारी मिलते ही मामले की संगीनता को भांपते हुए जिला प्रशासन ने त्वरित कदम उठाए हैं। आरोप है कि अतिक्रमण विरोधी कार्यवाही के नाम पर विद्वेषात्मक और लापरवाह कार्यवाही की गयी है। जिसकी सार्वत्रिक निंदा हो रही है। वन विभाग ने जिस तरह से मामले से पल्ला झाड़ लिया है तो लोगों के मन में अब सवाल उठ रहे हैं कि ये कार्यवाही वन विभाग ने नहीं की है तो कहीं यह व्यक्तिगत गुण्डागर्दी का शिकार तो नहीं हो गया। अमरकंटक में माई की बगिया के समीप रुद्र गंगा आश्रम में तथाकथित रुप से वन विभाग द्वारा अतिक्रमण के नाम पर जमकर तोड़ फोड़ की गयी। मन्दिर आश्रम की मूर्तियाँ क्षतिग्रस्त की गयीं। आरोप लगाए गये हैं कि प्राण प्रतिष्ठित मूर्तियों के साथ बेकद्री करते हुए उन्हे भी तोड़ दिया गया। तस्वीरों, वीडियो मे भी मूर्तियाँ क्षतिग्रस्त दिख रही हैं। आश्रम के सभी कच्चे, अर्ध पक्के निर्माण, टीन की चादरों तक को जिस तरीके से तोड़ फोड की गयी है, वह इस कार्य में लगे लोगों के व्यक्तिगत गुस्से और कुंठा को प्रदर्शित कर रहा है। बड़ी क्रूरता और लापरवाही से अतिक्रमण विरोध के नाम पर खुन्नस निकाली गयी। आरोप वन विभाग पर और उसके रेंजर पर है जबकि वन विभाग के उच्चाधिकारी इससे पल्ला झाड़ रहे हैं। घटना प्रकाश में आते ही अमरकंटक के साधू संतों में नाराजगी फैल गयी।

कलेक्टर ने दिये जांच के आदेश

अनूपपुर जिला विकास मंच और फिर नाराज संत प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर आशीष वशिष्ठ को घटना की जानकारी देते हुए गहरी नाराजगी व्यक्त की गयी। मूर्तियों की बेकद्री, तोडफोड मामले की विधिवत सूक्ष्म जांच और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की मांग की गयी। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और जांच के लिये एसडीएम पुष्पराजगढ तथा वन विभाग के अधिकारियों की दो अलग - अलग टीम गठित कर अमरकंटक भेजा गया।

अधिकारियों की दो टीम मौके पर

शिकायत प्राप्त होने के अगले ही दिन शुक्रवार को कलेक्टर के निर्देश पर डीएफओ अनूपपुर, एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार पुष्पराजगढ, नगर निरीक्षक अमरकंटक सहित अधिकारियों की दो टीमों ने घटना स्थल का अवलोकन कर साधु संतों के साथ एक बैठक की है। बैठक में यहाँ के प्रमुख आश्रमों के संत, नर्मदा मन्दिर के प्रमुख पुजारी गण, रुद्र गंगा आश्रम के लोग तथा अधिकारियों के साथ अन्य लोगों ने हिस्सा लिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बैठक में अमरकंटक के साधु संतों ने अतिक्रमण विरोधी कार्यवाही के नाम पर डेढ सौ साल पुराने आश्रम को तोड़ने, मूर्तियों के साथ अपमानजनक व्यवहार और उन्हे क्षतिग्रस्त करने को लेकर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग करते हुए जिला दंडाधिकारी/ कलेक्टर अनूपपुर के नाम पर एक शिकायत ज्ञापन अधिकारियों को दिया गया।

दण्डात्मक कार्यवाही की मांग

पत्र के माध्यम से मांग की गयी है कि उक्त घृणित कार्य करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जाए। रुद्र गंगा आश्रम को पुनः स्थापित किया जाए। मन्दिर परिसर में तोड़ फोड़ के दौरान मूर्तियाँ, आभूषण, सामग्रियां वापस की जाएं। मन्दिर परिसर की बाऊण्ड्रीवाल, परिक्रमा वासियों के लिये आश्रय स्थल, शौचालय का निर्माण किया जाए। मन्दिर पुनर्निर्माण के बाद माता जी की प्रतिमा की प्राणप्रतिष्ठा की जाए। मन्दिर परिसर पहुंच मार्ग, विद्युत, जल व्यवस्था की जाए। भृगु कमंडल में भी जो कार्यवाही की गयी है उसे भी संज्ञान में लेकर कार्यवाही हो तथा मन्दिर परिसर निर्माण की तिथि सुनिश्चित की जाए। स्थानीय साधू संतों ,विश्व हिन्दू परिषद, अन्य हिन्दू वादी संगठनों ने भविष्य में ऐसे किसी आपत्ति जनक कार्यवाही की पुनरावृत्ति को रोकने की मांग की गयी है।

मामले का महत्वपूर्ण पक्ष यह जरुर था कि कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने सक्षम सुनवाई करके, अधिकारियों की दो अलग अलग जांच टीम गठित करके त्वरित संवेदनशील कार्यवाही करके लोगों के गुस्से को शांत करने का कार्य किया है।

इको फ्रेण्डली मन्दिर का निर्माण

जानकारी मिली है कि वहां इको फ्रेण्डली मन्दिर का निर्माण करवा कर पूरे विधिविधान के साथ मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा करवाने की तैयारी की गयी है। पक्के कंक्रीट के किसी भी स्ट्रक्चर के निर्माण से परहेज किया जाएगा। इसके साथ भी सभी सामान, गहने आदि वापस किये जाएगे और जांच में दोषी व्यक्ति व्यक्तियों के विरुद्ध नियमतः कार्यवाही की जाएगी।

अधिकारियों पर गिर सकती है गाज

कहा जा रहा है कि मामला मुख्यमंत्री की निगरानी में होने के कारण जांच और कार्यवाही लापरवाही होने पर डीएफओ सहित पुलिस, वन और राजस्व के कुछ अधिकारियों पर शीघ्र गाज गिर सकती है, वहीं दूसरी ओर अमरकंटक के वन क्षेत्र में बढते अतिक्रमण ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया है।

मार्ग में लगाई गई रस्सी में फंसकर पति की मौत

घायल पत्नी का उपचार जारी

गोबर से लीपने के बाद सूखने के लिये लगाई थी रस्सी, घायल पत्नी का उपचार जारी

अनूपपुर। 27 अप्रैल कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत भगतबांध गांव में शुक्रवार की सुबह एक 55 वर्षीय वृद्ध अपनी पत्नी को लेकर मोटरसाइकिल से अनूपपुर आ रहा था तभी भगतबांध गांव में एक परिवार द्वारा भागवत कथा का आयोजन के दौरान बर्री से भगतबांध मुख्य मार्ग पर गोबर से लीपने बाद गोबर सूखने के उद्देश्य से रस्सी बांध रखी थी जिससे टकराने से पति-पत्नी दोनों घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल 55 वर्षीय वृद्ध की जिला अस्पताल पहुंचने के पूर्व ही मृत्यु हो गई जबकि उसकी पत्नी का घायल अवस्था में अस्पताल लाकर परियों ने उपचार कराया। मृतक का एक मात्र पुत्र भोपाल में एक कार्यालय में पदस्थ होने के कारण परिजनों के निवेदन पर उसके आने तक के लिए मृतक के शव को जिला चिकित्सालय में ही रखे जाने की बात पर जिला अस्पताल पुलिस शनिवार की सुबह पुत्र के आने के बाद ड्यूटी डॉक्टर से मृतक के शव का पंचनामा एवं पीएम कराने बाद अंतिम संस्कार हेतु सौपा। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत भगतबांध निवासी 55 वर्षीय बाबूलाल पिता रामजियावान राठौर शुक्रवार के दिन अपनी पत्नी राधा राठौर को मोटरसाइकिल में बैठकर अनूपपुर आ रहे थे तभी गांव में ही बर्री से भगतबांध जाने वाले मुख्य मार्ग पर गोबर से लिपाई कर किए गए लिपाई को सूखने हेतु एक रस्सी बांध रखी थी जिसे मृतक देख नहीं पाया जिससे रस्सी से टकराने पर पति-पत्नी दोनों मार्ग में गिर गए जिससे पति के सिर एवं शरीर के अन्य अंगों में गंभीर चोट आयी वही पत्नी भी गिरने के कारण चोटिल हुई जिन्हें उपचार हेतु ग्रामीणों द्वारा जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाकर ड्यूटी डॉक्टर से परीक्षण कराया। परीक्षण दौरान डॉक्टर ने बाबूलाल राठौर को जिला अस्पताल पहुंचने के पूर्व ही मृत्यु हो जाने की जानकारी देते हुए घटना की जानकारी जिला अस्पताल पुलिस अनूपपुर को दी। पुलिस द्वारा पंचनामा एवं पीएम कार्यवाही करते हुए मृतक के शव को अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौंप कर प्रारंभिक जांच कर डायरी कोतवाली थाना अनूपपुर को अग्रिम जांच हेतु प्रेषित की वहीं घायल पत्नी राधा राठौर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में उपचार भर्ती है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध वसूली का मास्टर माइंड कौन

दिन के उजाले में समाजसेवक का चोला ओढ़, आधी रात को कर रहे अवैध वसूली

अनूपपुर। जिले के कोतमा थाना क्षेत्र में लगातार अवैध कारोबार करने वाले लोगों की संख्या में इजाफा क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है और साथ ही क्षेत्रीय प्रशासन के लिए चुनौती भी है। क्षेत्रीय प्रशासन के नाक के नीचे आखिर कौन ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो कि प्रशासन के दामन पर वसूली का दाग थोपने पर आमादा हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतमा विधानसभा क्षेत्र से गुजरने वाली नेशनल हाइवे 43 पर, आसामाजिक तत्वों के द्वारा वाहन चेकिंग एवं वसूली अभियान चलाया जा रहा है। चौक चौराहों पर जन चर्चा के दौरान लोगों ने बताया कि शासन के अधीन संचालित विभागों के कुछ कर्मचारियों के मिलीभगत से मालवाहक वाहनों को निशाना बनाया जा रहा है।

असामाजिक तत्वों का जमावड़ा- लोगों ने कहा कि असामाजिक तत्व चोला बदल कर आधी रात को सड़क पर शिकार करने के लिए उतरते हैं, जिससे वाहन स्वामी व वाहन चालकों में खौफ है। पीडितों ने नाम उजागर न करने के शर्त पर बताया कि गुंडागर्दी के साथ अवैध वसूली की जाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन वसूलीबाजों की टीम के दो चेहरे हैं, दिन में सफेदपोश समाजसेवी का चोला धारण कर धमाचौकड़ी करते हुए दिखाई देते हैं, वहीं रात में वसूली गैंग चलाते हैं एवं परिवहन कर रहे वाहन रेत, गिट्टी, लकड़ी इत्यादि के टारगेट पर रहते हैं और अपने आप को जांच अधिकारी बताते हुए प्रताड़ति कर अवैध रूप से मोटी रकम की मांग करते हैं। गौरतलब है कि मांग पूरी न होने पर संबंधित विभाग के कर्मचारी से कार्यवाही की धमकी देते हुए विभाग को सौंप दिया जाता है।

भयमुक्त वातावरण में वाहन चालक करें परिवहन- प्रदेश में भय भ्रष्टाचार मुक्त शासन कानून व्यवस्था के लिए संकल्पित सरकार के लिए ऐसे असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए चुनौती जरुर हैं लेकिन शासन प्रशासन को पूरे दमखम के साथ ऐसे गैंग का समूल उन्मूलन करने की जरूरत है, ताकि भय मुक्त वातावरण में वाहन चालक एवं मालिक अपना काम कर सकें।

इनका कहना है

वनपरिक्षेत्र कोतमा के अंतर्गत ऐसे असामाजिक तत्वों की पुष्टि होती है तो उनके विरूद्ध पुलिस में एफ आई आर दर्ज कराई जाएगी।

राकेश त्रिपाठी, वन परिक्षेत्राधिकारी,
वन विभाग कोतमा

जिले में दो महिलाएं विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर हैं यदि कोई व्यक्ति जांच कर रहा है तो लिखित शिकायत प्राप्त होने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

ईशा वर्मा, खनिज इंस्पेक्टर
खनिज विभाग अनूपपुर